



Lalita

22 Aug 2000

07:20 AM

Vijayanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121678807

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 22/08/2000
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 07:20:00 घंटे
इष्ट _____: 02:53:57 घटी
स्थान _____: Vijayanagar
देश _____: India

अक्षांश _____: 15:20:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:24:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 06:56:00 घंटे
वेलान्तर _____: -00:02:51 घंटे
साम्पातिक काल _____: 04:58:44 घंटे
सूर्योदय _____: 06:10:25 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:42:53 घंटे
दिनमान _____: 12:32:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 05:25:00 सिंह
लग्न के अंश _____: 21:15:10 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: भरणी - 4
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: ध्रुव
करण _____: बव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गज
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

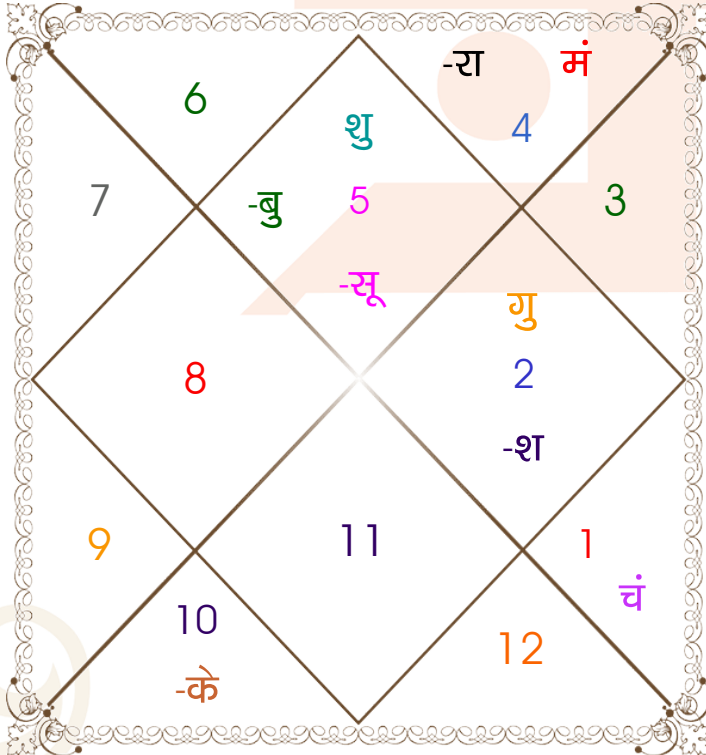
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:15:10	349:04:40	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			सिंह	05:25:00	00:57:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	26:23:43	13:35:29	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			कर्क	19:39:47	00:38:22	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध	अ		सिंह	05:26:54	01:59:12	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
गुरु			वृष	15:02:03	00:06:57	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	24:59:49	01:13:42	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			वृष	06:42:28	00:02:16	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:11:17	00:01:00	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:11:17	00:01:00	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	24:33:18	00:02:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	10:39:40	00:01:26	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:17:26	00:00:02	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	22:01:51	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

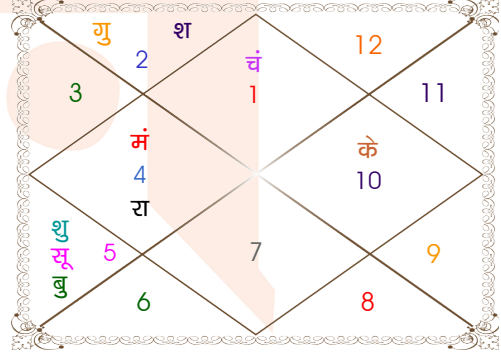
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:42

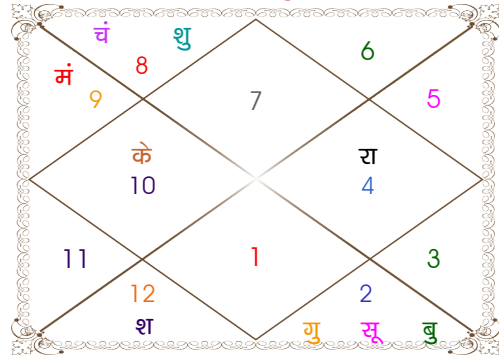
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 4 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
22/08/2000	17/01/2001	18/01/2007	17/01/2017	18/01/2024
17/01/2001	18/01/2007	17/01/2017	18/01/2024	18/01/2042
00/00/0000	सूर्य 07/05/2001	चंद्र 18/11/2007	मंगल 16/06/2017	राहु 30/09/2026
00/00/0000	चंद्र 06/11/2001	मंगल 18/06/2008	राहु 04/07/2018	गुरु 23/02/2029
00/00/0000	मंगल 14/03/2002	राहु 18/12/2009	गुरु 10/06/2019	शनि 31/12/2031
00/00/0000	राहु 05/02/2003	गुरु 19/04/2011	शनि 19/07/2020	बुध 19/07/2034
00/00/0000	गुरु 24/11/2003	शनि 18/11/2012	बुध 16/07/2021	केतु 07/08/2035
00/00/0000	शनि 05/11/2004	बुध 19/04/2014	केतु 12/12/2021	शुक्र 07/08/2038
00/00/0000	बुध 12/09/2005	केतु 18/11/2014	शुक्र 11/02/2023	सूर्य 01/07/2039
22/08/2000	केतु 18/01/2006	शुक्र 19/07/2016	सूर्य 19/06/2023	चंद्र 30/12/2040
केतु 17/01/2001	शुक्र 18/01/2007	सूर्य 17/01/2017	चंद्र 18/01/2024	मंगल 18/01/2042

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
18/01/2042	18/01/2058	17/01/2077	18/01/2094	18/01/2101
18/01/2058	17/01/2077	18/01/2094	18/01/2101	23/08/2120
गुरु 07/03/2044	शनि 21/01/2061	बुध 16/06/2079	केतु 16/06/2094	शुक्र 20/05/2104
शनि 18/09/2046	बुध 01/10/2063	केतु 12/06/2080	शुक्र 16/08/2095	सूर्य 20/05/2105
बुध 24/12/2048	केतु 08/11/2064	शुक्र 13/04/2083	सूर्य 22/12/2095	चंद्र 19/01/2107
केतु 30/11/2049	शुक्र 09/01/2068	सूर्य 18/02/2084	चंद्र 22/07/2096	मंगल 20/03/2108
शुक्र 31/07/2052	सूर्य 21/12/2068	चंद्र 19/07/2085	मंगल 18/12/2096	राहु 21/03/2111
सूर्य 19/05/2053	चंद्र 22/07/2070	मंगल 16/07/2086	राहु 06/01/2098	गुरु 19/11/2113
चंद्र 18/09/2054	मंगल 31/08/2071	राहु 02/02/2089	गुरु 12/12/2098	शनि 18/01/2117
मंगल 25/08/2055	राहु 07/07/2074	गुरु 11/05/2091	शनि 21/01/2100	बुध 19/11/2119
राहु 18/01/2058	गुरु 17/01/2077	शनि 18/01/2094	बुध 18/01/2101	केतु 23/08/2120

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभान्श आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उद्देश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियो, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका पारिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृत्ति के पुरुष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यान्वयन अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यान्वयन समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क हैं। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदतें डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।